आन्नद का नहीं ठिकाणा मेरे बाबा के दरबार में

आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

कोए नाचे कोए गाव:,
कोए पेट पिलणया आव: स,
आवण की दरखास लगाव:,
कोए अपणी अर्जी लाव: स,
कोए गोद भरा क जाव:,
कोए बैठा स इंतजार में,
आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

मेंहदीपुर के बालाजी तुं,
सच्चा स न्याकारी हो,
मेंहदीपुर के बालाजी,
तन्नै जाणे दुनिया सारी हो,
जिसपे दया हो तुम्हारी,
वो कोना रह हार में,
आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

प्रेतराज और भैरव बाबा,
सबके संकट काटं सं,
जो कोए उसके दर प,
आजया सबके साटे साटं सं,
यो सबके दुख ने काट:,
जो कोए आगया इसकी आड़ में,
आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

कह मुरारी दर तेरे की सब तं,
न्यारी माया स,
दया धर्म जिसके मन में,
उस प तेरी छांया स,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तुं घाटे के महां आया या,
धुम मची संसार में,
आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com